

①

उ0प्र0 लोक सेवा आयोग द्वारा होम्योपैथिक चिकित्साधिकारियों की भर्ती हेतु आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट का पाठ्यक्रम:-

1. आर्गेनान आफ मेडिसिन एवं होम्योपैथिक दर्शन एवं मनोविज्ञान :- होम्योपैथिक का इतिहास एवं हेनीमैन का जीवन परिचय। होम्योपैथी के मौलिक सिद्धान्त। चिकित्सक की वांछित योग्यता। जीवनी शक्ति/जीवनी सिद्धान्त का संज्ञान। चिकित्सा की विभिन्न विधाएँ। प्रारम्भिक एवं द्वितीय प्रक्रियाएँ। व्याधियों का वर्गीकरण/म्याज्म(रोग बीज) का संज्ञान। व्याधि के विभिन्न कारक। होम्योपैथिक चिकित्सा के दौरान पथ्य व्यवस्था। होम्योपैथिक चिकित्सकों हेतु आचार संहिता। होम्योपैथिक औषधि सेवन के पश्चात् औषधि क्रिया द्वारा रोगी की स्थिति एवं उसका भविष्य। द्वितीय नुस्खा। औषधि गुण प्रमाणन। पोसोलोजी(औषधि मात्रा विज्ञान), लक्षणसमष्टि, आर्गेनान सूत्र 01 से 294 तक। मनोविज्ञान परिचय।

2. शरीर रचना विज्ञान :-

शरीर रचना विज्ञान की परिभाषा और मुख्य शाखाएँ

अस्थि शाखा- मानव अस्थिपंजर के अस्थियों के नाम तथा अवस्थित होने का स्थान और प्रकार।

मांसपेशी शाखा- मांसपेशियों के नाम एवं स्थान जहाँ अवस्थित हैं।

हृदय एवं मुख्य रक्त वाहिनी नलीया।

नाडीमण्डल शाखा- मस्तिष्क, सुषुम्ना और मुख्य नाडीया शरीर के अन्दर कोमल अंग यकृत, अग्न्याशय, प्लीहा, आमाशय, फेफड़ा, गुर्दा और छोटी-बड़ी आर्ते। मूत्र सम्बन्धी अंगों के नाम और स्थान जहाँ हैं पुरुष एवं स्त्री के प्रजनन सम्बन्धी अंगों के नाम और स्थान जहा अवस्थित है। नलिका विहीन ग्रंथियों के नाम एवं स्थान जहा है। चेतना सम्बन्धी अंगों के नाम एवं अवस्थित होने का स्थान।

3. फिजियोलाजी एवं बायो केमेस्ट्री :- जीवन की मौलिक क्रियाएँ। कोशिका एवं ऊतक, जैवरसायनिक सिद्धान्त, जैव भौतिकी सिद्धान्त, पर्यावरणय शरीर क्रिया विज्ञान, त्वचा की संरचना एवं कार्य, शरीर ताप का नियमन, शरीर का निम्न ताप, अस्थि-

मान्सपेशीय तंत्र, मॉन्सपेशीय सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण, तंत्रिका कोशिका के कार्य एवं संरचना, रक्त के कार्य एवं संरचना, प्लाज्मा के कार्य विज्ञान, सामान्य मानक, ई0एस0आर0 एवं अन्य रक्त प्रोटीन के मानक, रक्तसमूह, लिम्फ एवं रेटिकुलो इन्डो थीलियल सिस्टम, हृदय एवं रक्त वाहिनियों का तंत्र, हृदय संवेग का उद्भव एवं सेवहन, ई0सी0जी0, शाक के आधारभूत फिजियोलाजी, श्वसनतंत्र, श्वसन गैस के अन्तःप्रिसरण के सामान्य सिद्धान्त, पाचन तंत्र, लीवर की फिजियोलाजी एवं पित्ताशय का कार्य एवं संरचना, उत्पार्जन तंत्र, अतःस्त्रीवी ग्रन्थिकातंत्र, जननतंत्र, केन्द्रीयतन्त्रिका तंत्र एवं विशिष्ट संवेदनांग, पोषण, संतुलित आहार।

4. होमियोपैथिक फार्मेसी :- होमियोपैथिक फार्मेसी का परिचय, होमियोपैथिक फार्मेसी का क्रमिक विकास, आर्गनन एवं मटेरिया मेडिका के द्वारा, ड्रगपूमिंग, एवं डायनामाइजेसन के सिद्धान्त विभिन्न चिकित्साशास्त्र, फार्माकोलाजी के सिद्धान्त एवं मटेरिया मेडिका विस्तार एवं सीमा, होमियोपैथिक फार्मेसी के स्रोत, विभिन्न चिकित्सा विज्ञान के फार्मेसी का एक दूसरे से सम्बन्ध— एलोपैथी एवं होम्योपैथी फार्मेसी के सन्दर्भ में, औषधियों के गुण, औषधि देने के विभिन्न रूट, औषधि क्रिया, खाद्य विष कास्मेटिक, औषधि पदार्थ, ड्रग, मेडीसिन, रेमेडी, राष्ट्रीय इकोनामी, पोसोलाजी मेडिकल दवा बनाने के स्केल, बहुउपयोगी औषधि के फार्माकोलाजिकल क्रिया, प्रिस्कीपसन के लिए संक्षिप्त शब्द, कानूनी पक्ष— होमियोपैथिक फार्मेसी से सम्बन्धित नियमन, ड्रग, कास्मेटिक एक्ट, प्वायर्जन एक्ट, फार्मेसी एक्ट।

5. होम्योपैथिक मटेरिया मेडीका

होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका का महत्त्व, मटेरिया मेडिका का स्रोत, औषधि: एकोनाइट, एडथूजा, एलो, एन्टीम कूड, एन्टीम टार्ट, एपिस मेल, अर्जेन्टम वनाइट्रीकम अर्निका मान्टेना, ब्रायोनियाएल्वा कैमोमिला, सिना, कालचिकम, कोलोसिन्थ, डलकामारा इपिकाक, लेडमपाल, नक्स मार्स्ट्रेट, रसटाक्स, कैल्केरिया

फास, फेरम पास, साइलिसिया, एल्यूमिना एमोनियम कार्ब, एनाकार्डियम ३
 एल्व, आरममेट, बैप्टीशिया, वरवेरीष, बलगेरीष, बोरेक्स, बैप्टीशिया, कै
 फेरममेट, जेलसिमियम, हीपर सल्फ, इग्नेसिया, नेट्रम कार्ब, ओपियम, पेट्र
 फासफोरस, प्लेटिना, सिपिया, स्पौन्जिया, भेरेट्टा एल्व, नेट्र सल्फ, बैरायटा
 वेलाडोना, कैन्केरिया कार्ब, कार्बोवेज, कार्बोटीकम, ग्रेफाइटिस, हायोर
 आयोडियम कैलिकर्व, लैकेसिस, लाइकोपोडीयम, मर्कसाल, नाइट्रिक
 प्रोडोफायलम, पल्सेरीला, स्टैफिसेगेरिया, स्टैफिनियम, सल्फर, थूजा, जिं
 वैसिलिनम, कैप्सिकम, काकुलस, कौफिया, इप्टोरियम, फ्लोरिक एसिड ग्ल
 लिलियमटिग, मैग्नेसिया कार्ब, मेडोराइनम मेजेरियम, सोरीनम,
 पायरोजिनम रोडोडैन्ड्रोन रुमेक्स, रुटा जी, सेवाइना सैन्गुनिरिया, सरसं
 स्पाइजिलिया स्टैनम मेट, विरेट्टम वीर, सिनोना आफ, डिजिटेलिस सल्
 एसिड

6. पैथालोजी:-

सामान्य पैथालोजी

प्रादाह, चोट के पुनःनिर्माण, प्रतिरोधक क्षमता, थियोप्लाज्म, थोम्बोसिस, इम्बो
 ईडीमा हाइपरट्राफी, हाइपरपलेशिया, एनापलेशिया, मेटापलेशिया, इर
 रक्तश्राव

शॉक, एट्राफी, इन्फेक्शन, नेक्रोसिस, गैंगरिन, इन्फारक्शन

सिस्टेमिक पैथालाजी

पाचन तंत्र एवं यकृत के रोग, सिरोसिस, पीलिया, पित्ताशय, अग्न्याश
 हृदय, रक्त वाहिनी तंत्र के रोग, केन्द्रीय तन्त्रिका तंत्र, श्वासन तंत्र,
 जननतंत्र, अस्थि एवं मॉसपेशियों, त्वचा, रक्त रोग। परजीवी, जीवाणु,
जनित रोग एवं सूक्ष्म जीव विज्ञान।

7. फोरेन्सिक मेडिसिन एण्ड टाक्सीकोलाजी :-

फोरन्सिक

वैधानिक प्रक्रियाएँ, वैदिक न्याय शास्त्र की परिभाषा, न्यायालय एवं उसका कार्यक्षेत्र चिकित्सा शास्त्रीय आचार संहिता। चिकित्सीय पंजीयन सम्बन्धित कानून, चिकित्सा व्यवसायी एवं राज्य में सम्बन्ध। होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम 1973। जीवित एवं मृतक का परीक्षण एवं पहचान। अंग, अस्थि, धब्बे इत्यादि। प्यूट्रीफिकेशन ममीफिकेशन, सपोनीफिकेशन, मृत्यु के प्रकार का कारण इत्यादि। एस्फीक्सियल मृत्यु/रक्त परीक्षण, रक्त के धब्बे, वीर्य के धब्बे, स्काल्ड, जलना, विजली के झटके की जाँच, भुखमरी, गर्भ धारण, प्रसव, गर्भपात, शिशु हत्या, योन अपराध, पागलपन, का राजकीय कानून से सम्बन्ध। जीवन्त एवं दुर्घटना वीमा, पोस्टमार्टम,

विषविज्ञान:-

मिनिरल एसिड, क्षय कारक, सब्लीमेट, आर्सेनिक। इसके यौगिक, अल्कोहल अफीम एवं इसके अल्कोलायड, कारबोलिक एसिड। कार्बन मोनोआक्साइड, कार्बन डाई आक्साइड, मिट्टी का तेल, केनाविस। इन्डीका, कोकेन, एकोनाइट ओलियन्डर, सर्पदंश एवं लेड का विष जनित प्रभाव।

8. प्रेक्टिस आफ मेडिसिन :-

रोगी परीक्षण के सम्पूर्ण क्लीनिकल तरीके। थैरेप्यूटिक। श्वसन तंत्र के रोग। खात तंत्र एवं अग्नाशय के रोग। पोषण जनित रोग। रोगों के इम्यूनोलोजिक कारक। रोगों के जलवायु सम्बन्धी कारक, मेटाबोलिक रोग। अतःस्त्रावी ग्रन्थ सम्बन्धी रोग। माहवारी सम्बन्धी रोग। यकृत एवं पित्त। नलिका सम्बन्धी रोग। रक्त सम्बन्धित रोग। हृदय एवं रक्त वाहिनी के रोग, गुर्दा एवं मूत्रनली सम्बन्धी रोग। जल एवं इलेक्ट्रालाइट सन्तुलन सम्बन्धित रोग। रीबोजी ऊतक के रोग। अरि एवं सन्धि के रोग। त्वचा रोग केन्द्रीय तन्त्रिका तंत्र एवं पेरिफेरल तन्त्रिका तंत्र रोग मानसिक रोग, विषपान सहित त्वरित आक्सीजेनता, शिशु रोग एवं उन

(5)

9. शल्य चिकित्सा विज्ञान आँख, कान, नाक, गला एवं नेत्र रोग विज्ञान

- सामान्य शल्य चिकित्सीय समस्याओं का निदान।
- निश्चेतना।
- शल्य चिकित्सा के सिद्धान्त
- शल्य चिकित्सा में प्रयोग होने वाले औजारों का प्रयोग एवं ज्ञान।
- एसेप्सिशन, एण्टीसेप्सिस, पट्टी प्लास्टर।
- फिजियोथिरैपी। रेडियोलाजी। (विकिरण विभाग)
- अस्थि रोग, नेत्र रोग, दन्त चिकित्सा, कान, नाक, गला एवं नवजात शिशुओं शल्य चिकित्सा।
- विभिन्न प्रकार की चोटें।
- घाव, अल्सर, साइनस, ग्रैन्गीन
- रक्त स्राव, मुच्छर्ण (शाक) के आकस्मिक स्थिति का देखभाल एवं उपचार।
- एक्सीडेन्ट में चोटों का प्रबन्धन।
- जले हुये रोगियों का प्रबन्धन।
- फ्रैक्चर डिस्लोकेशन(के) प्रबन्धन का सामान्य सिद्धान्त। (अस्थि विच्छेद)
- शिशुओं में शल्य चिकित्सा का प्रबन्धन।
- आँख, नाक, कान, गला के रोगों की सत्य चिकित्सीय ज्ञान एवं प्रबन्धन।
- शल्य रोगों के होम्योपैथिक थिरैप्यूटिका।

10. स्त्रीरोग एवं प्रसूति विज्ञान:-

गर्भाशय में गर्भ का विकास, गर्भ धारण का निदान, गर्भावस्था में देख-रेख, सामान्य प्रसव, प्रसवोपरान्त देखभाल, प्रसूति के लिए एवं समस्यायें, शिशु की देख-रेख, प्रसव की असामान्य अवस्थायें, जुड़वा नवजात, प्रसव के समय विभिन्न अंगों का उत्कर्षण, बच्चेदानी की असामान्य स्थिति, असामान्य पेल्विस, असामान्य प्रसव, प्रसव की तीसरे अवस्था की समस्या, वर्धकाल की चोट, प्रसूति के सामान्य शल्यक्रिया, स्त्रीरोग सम्बन्धी निदान, असामान्य विकास, यूटेराइन

डिसप्लेसमेन्ट स्थनपान असामयिक नवजात की देखभाल, नवजात शिशु की सामान्य समस्यायें ।

11.कम्युनिटी मेडिसिन :-

प्रिवेन्टिव एवं सोशल मेडिसिन का परिचय । मानव एवं समाज, इसके उद्देश्य एवं कार्य क्षेत्र । रोग के सामाजिक कारण एवं रोगी की सामाजिक समस्यायें । रोग एवं स्वास्थ्य में आर्थिक एवं पर्यावरणीय कारकों का सम्बन्ध । फिजियोलोजिकल स्वास्थ्य :- स्वास्थ्य एवं रोगों के साथ खाद्य का महत्त्व । कुपोषण एवं पोषण सर्वेक्षण । खाद्य प्रसंस्करण दुग्ध का पाश्च्यूरिकरण । खाद्य मिलावट एवं खाद्य निरीक्षण । खाद्य विषक्ति । वैयक्तिक स्वास्थ्य :-

(साफ सफाई, विश्राम, निद्रा व कार्य) शारीरिक व्यायाम एवं प्रशिक्षण । ट्रोपीकल क्षेत्र में स्वास्थ्य की देखभाल । पर्यावरणीय सेनीटेशन । वायुमण्डलीय प्रदूषण । वायु शुद्धिकरण । वायु जीवाणु विहिनीकरण । वायुजनित रोगों का मेला एवं त्योहार की शौच व्यवस्था । जीवाणु विहिनीकरण एवं जीवाणुनाशक पदार्थ । दुर्गन्धनाशक । ऐन्टीसैप्टिक । जीवाणुनाशक । डिसइन्फेक्शन एवं स्टरिलाइजेशन विधियाँ ।

कीट पतंग :- कीटाणुनाशक एवं डिसइन्फेक्शन । रोगों के साथ कीटाणु का सम्बन्ध । इन्सेक्ट नियन्त्रण । प्रोटोजोअल एवं हेल्मीन्थिक रोग । प्रोटोजोआ एवं हेल्मिन्थ का जीवन वृत्त एवं उनकी रोक-थाम ।

निरोधक चिकित्सा:- कम्यूनिकेबल डिजिज की रोक-थाम एवं नियन्त्रण का सामान्य सिद्धान्त, उनका विवरण एवं रोक-थाम के विधियाँ । स्पर्शद्वारा, ड्रॉपलेट संक्रमण द्वारा, पर्यावरणीय वाहक (जल मिट्टी, खाद्य पदार्थ, इन्सेक्ट, जन्तु, फाउन्डी द्वारा फैलने वाले रोगों का प्रोफाइलेकसिस एवं टीकाकरण द्वारा रोगों के फैलने से बचाव एवं उपचार । नान कम्यूनिकेबल रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के सामान्य सिद्धान्त यथा- मोटापा / उच्च रक्त चाप आदि । रोग निरोधक, टीकाकरण इग्यूनोलोजी एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के सम्बन्ध में होम्योपैथी के विचार ।

(7)

12. रिपोर्टरी :-

तरुण एवं चीर रोग लक्षण संग्रह। अभिलेख संग्रहण। लक्षण समष्टि। प्रेस्काइबिना लक्षण, लक्षण मूल्यांकन एवं श्रेणीकरण सहित लक्षण का वर्गीकरण। मानसिक लक्षणों का महत्व। रिपोर्टरी का तर्कशास्त्र। मेटेरिया डिक्ता एवं थेराप्यूटिक्स के साथ रिपोर्टरी का सम्बन्ध। रिपोर्टरी का आद्यतन इतिहास एवं विकास। रिपोर्टरी के प्रकार। विभिन्न रिपोर्टरी में प्रयुक्त शब्दावली की व्याख्या। बोनिंघसन थेराप्यूटिक पाकेट बुक, एवं बोगर बोनिंघसन रिपोर्टरी, नवीन रिपोर्टरी के साथ केन्ट रिपोर्टरी।

PROPOSED SYLLABUS FOR APPOINTMENT OF HOMOEOPATHIC MEDICAL OFFICER BY UP PUBLIC SERVICE COMMISSION

ANATOMY

Definition of Anatomy and its major branches, Osteology,-Names, situations and types of the bones of human skeleton, Myology-Names and situation of muscles, Cardiovascular system-Heart and major blood vessels, Neurology-brain,spinal cord and major nerves, Splanchnology- Liver, Pancreas, Spleen, Stomach, lungs, Kidneys and both intestines., Uro-genital System- Urinary organs, male and female genital organs, Endocrine glands, Organs of senses.

ORGANON OF MEDICINE AND PRINCIPLES OF HOMOEOPATHIC PHILOSOPHY & PSYCHOLOGY

History of Homoeopathy & Hahnemann's life, Fundamental principles of Homoeopathy, Requisite qualification of physician, Concept of Vital Principle, Different mode of treatment Primary & Secondary action, Classification of diseases, Concept of Miasm, Different causes of Diseases, Dietary management during the homoeopathic Treatment, Code of ethics for Homoeopathic practitioners, Prognosis after administration of Homoeopathic Medicine, Second prescription, Drug proving, Nosology, Totality of the symptoms, Aphorism 1 to 294 of the Organon of Medicine. Introduction to Psychology.

REPERTORY

Case taking for acute & chronic cases. Record keeping. Totality of symptoms, Classification of symptoms including prescribing symptoms. Gradation and evaluation of Symptoms. Importance of Mental symptoms. Logic of Repertory, Correlation of Repertory with Therapeutics and Materia Medica. History and development of repertories till date. Types of repertories.Explanation of terminologies used in various repertories. Boenninghausen's therapeutic pocket book and Boger Boenninghausen's repertory. Kent's repertory including new Repertory.

GYNAECOLOGY AND OBSTETRICS

OBSTETRICS

Development of the Intra Uterine Pregnancy. Diagnosis of pregnancy.Ante-natal care, Normal labour Post natal care Puerperal, Abnormal Puerperal, Care of the New born. Labour, Abnormal Position and Presentation, Twins, Prolapse of Cord and limbs, abnormalities in the action of the Uterus Abnormal condition of soft parts contracted Pelvis, obstructed labour, Complications of third stage of labour, injuries of birth canals. Common Obstetrical operations. Abnormal Puerperal: infections.

GYNAECOLOGY

Gynaecological Examination,Development abnormalities,Endocrinal Axis: abnormalities Uterine displacements Inflammation, ulceration and traumatic lesions of the female genital organs, Infant Care Neonatal hygiene Breast feeding, Management of premature child, Asphyxia Common disorders of new born.

COMMUNITY MEDICINE

Introduction to preventive and social medicine concept, man and society: aim and scope, social medicine, social causes of disease and social problems of the sick, relation of economic factors and environment in health and disease. Physiological hygiene:- Food in relation to health and disease, Nutritional deficiencies and nutritional survey. Food processing, pasteurization of milk. Adulteration of food and food inspection, Food poisoning.

Personal hygiene- (Cleanliness, rest, sleep, work) Physical exercise and training care of health in tropics. Environmental sanitation: Atmospheric pollution-purification of air, air sterilization, air borne diseases. Sanitation of fairs and festivals. Disinfection disinfectants, deodorants, antiseptics, germicides. Methods of disinfection and sterilization. Insects-insecticides and disinfection-insects in relation to disease. Insect control. Protozoal and helminthic diseases-Life cycle of protozoan and helminthes, their prevention.

Preventive Medicine General principles of prevention and control of communicable diseases. Their description and methods of prevention and spread by contact, by droplet infection by environmental vehicles, (water, soil, food insects, animals, foundries, prophylaxis and vaccination). General principles of prevention and control of non-communicable diseases e.g. obesity, hypertension etc. Homoeopathic concept of prophylaxis, vaccination, Immunology and personal hygiene.

PHYSIOLOGY INCLUDING BIOCHEMISTRY

Fundamental phenomena of life. The cell and Tissues . Bio-chemical Principles Bio-physical Principles Environmental Physiology Skin-structure and functions.Regulations of body temperature hypothermia. Skeleto-Muscular System,General introduction and classification of muscle fibers.Nerve-Structure and function of nerve cell.,Blood Composition and functions in general. Physiology of plasma proteins, normal values, E.S.R. & other blood indices., Blood group systems., Lymphatics and R.E. system. Cardio Vascular System: Generation and conduction of cardiac impulse, E.C.G. Physiological basis of shock. Respiratory System Physical principles of gaseous exchange a transport of respiratory gases. Digestive System Physiology of Liver and Gall bladder structure and functions. Excretory System Endocrine system. Reproduction system Central Nervous System,Special SensesNutrition,Balanced diet.

PATHOLOGY

GENERAL PATHOLOGY ,

Inflammation, Repair Healing Injury, Immunity, Neoplasm, Thrombosis, Embolism, Oedema, Hypertrophy, Hyperplasia, Anaplasia, Metaplasia, Ischaemia, Haemorrhage, Shock Atrophy, Infection, Necrosis, Gangrene, Infarction

SYSTEMIC PATHOLOGY

Alimentary System, Liver, Inflammatory Disease, Cirrhosis, Jaundice, Gall Bladder, Pancreas, Cardio Vascular Disease Central Nervous Disease, Respiratory Disorders Uro-genital system, Skeletal and Muscular Disease Skin, Haematology

MICROBIOLOGY INCLUDING PARASITOLOGY, BACTERIOLOGY AND VIROLOGY

SURGERY, ENT & OPHTHAMOLOGY

Diagnose common surgical cases with clinical procedures. Correlation of applied aspects, with factors which can modify the course of illness, including medicinal and non-medicinal measures. Anesthesia. Principles of Surgery, Fundamentals of Examination of a patient with surgical problems. Use of common Instruments for Examination of a patient, asepsis, antiseptics, Dressings, plaster, operative surgery etc. Practical Instruments, Physiotherapy measures. Include also applied studies in Radiology, etc. Diagnostics. Orthopaedics, Ophthalmology, Dental Diseases, Otorhinolaryngiology and Neonatal Surgery. Injuries of various kinds- wound healing and management including Ulcers, Sinuses, Gangrene, etc. Hemorrhage, shock, their management Resuscitation and support in emergencies: Accidents and Warfare injuries management. Burns Management. Fractures and Dislocation: general principles. Pediatrics, Therapeutics of surgical systemic diseases including Eye, Ear, Nose & Throat.

HOMOEOPATHIC MATERIA MEDICA

Nature & scope of Materia Medica, Sources of Materia Medica, Medicines: Aconite, Aethusa, Aloes, Antim crude, antim tart, Apis mel, Argentum nitricum, Arnica Montana, Bryonia alb, Chamomilla, Cina, Colchicum, Colocynth, Dulcamara, Ipeca, Ledum pal, Nux-vom, Rhus tox, Calcarea Phos, Ferrum Phos, Silicea, Alumina, Amonium carb, Anacardium, Arsenic alb, Aurum met, Baptisia, Berberis-vul, Borax, Bovista, Cantheris, Ferrum-met, Gelsimium, Hepar Sulph, Ignatia, Natrum carb, Opium, Petroleum, Phosphorus, Platina, Sepia, Spongia, Veratrum alb, Natrum sulph, Baryta carb, Belladonna, Calcarea carb, Carbo-veg, Causticum, Graphitis, Hysosymus, Iodium, Kali carb, Lachesis, Lycopodium, Merc-sol, Natrum mur, Nitric acid, Podophyllum, Pulsatilla, Staphisagaria, Stramonium, Sulphur, Thuja, Zincum met, Bacilinum, Capsicum, Cocculus, Coffea, Eputorium per, Floric acid, Glonjpe,

Lilium tig., Magnesia Carb, Medorrhinum, Mezereum, Psorinum, Pyrogenum, Rhoeadron, Rumex, Ruta-g, Sabina, Sangunaria, Sarsaparilla, Spigelia, Stannum met, Veratrum vir, Cinchona off, Digitalis, Sulfuric Acid.

PRACTICE OF MEDICINE

Clinical Methods of Examination of patients as a whole with therapeutics: Respiratory diseases, Alimentary Tract and Pancreas Disease, Nutritional diseases, Immunological Factors in Diseases - Climatic Factors in Diseases Metabolic Disease, Endocrinal Diseases - Menstrual Disorder, Liver and Biliary Tract Diseases Hematological Diseases, Cardiovascular system Diseases, Kidneys & Urinary Tracts Diseases, Water and Electrolytes balance Diseases, Connective Tissue Disorders, Bones and Joints Disorders, Skin Diseases, CNS & peripheral nervous system-Mental Diseases, Acute Emergencies including poisonings, Pediatrics with Homoeopathic Therapeutics.

HOMOEOPATHIC PHARMACY

Introduction of Homoeopathic Pharmacy, evolution of Homoeopathic Pharmacy from Organon and Materia Medica, the concept of drug Proving and Dynamisation. Schools of Medicine: their discovery, principles of pharmacology and Materia Medica, scope and limitations. Sources of Homoeopathic Pharmacy. Inter-relationship of different schools of Pharmacy with emphasis on relationship of Allopathic and Homoeopathic Pharmacy. Properties of Drugs. Routes of Administration of drugs, Action of Drugs. Foods, Poisons, cosmetics. Drug substance, Drug, Medicine, Remedy. National Economy. Posology, Vehicles Scales for preparation of drugs Pharmacological Action of Polychrest medicines. Abbreviations used in prescription writing. Legal part: legislation in respect of Homoeopathic Pharmacy, Drug and Cosmetic Act, Poison Act, Pharmacy Act.

FORENSIC MEDICINE AND TOXICOLOGY

Forensic Medicine:

Legal Procedure: Definition of medical Jurisprudence. Courts, and their Jurisdiction. Medical ethics: Law relating to medical registration and Medical relation between practitioners and the State. The Homoeopathy Central Council Act, 1973. Examination and identification of person living and dead: parts, bones, stains. health, putrefaction, mummification, saponification, forms of death causes. Assaults, wounds, injuries and death by violence. Asphyxia death, blood examination, blood stains, seminal stains: burns, scalds, lightning stroke etc. Starvation, pregnancy, delivery, abortion, Infanticide, sexual Crimes, Insanity in relation to the State life and accident insurance Post-mortem.

Toxicology

Mineral Acid, corrosive, sublimate, arsenic and its compound alcohol, opium and its alkaloids, carbolic acid, carbon monoxide, carbon dioxide. Kerosene oil, cannabis indica, cocaine, Belladonna, strychnine and nuxvomica, aconite, oleander, snake poisoning & Lead Poisoning effect.

सामान्य अध्ययन का पाठ्यक्रम

- (1) भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन :- भारतीय इतिहास के अन्तर्गत सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक पक्षों की सामान्य जानकारी पर महत्व होगा। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन पर अभ्यर्थियों से स्वतंत्रता आन्दोलन, राष्ट्रीयता का अभ्युदय तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के सम्बन्ध : सारपरक जानकारी अपेक्षित है।
 - (2) भारत एवं विश्व का भूगोल, भारत एवं विश्व का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल :- भारत के भूगोल के अन्तर्गत देश के भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। विश्व भूगोल में विषय की केवल सामान्य जानकारी अपेक्षित होगी।
 - (3) भारतीय राजनीति एवं शासन, संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, लोकनीति एवं अधिकारिक मुद्दे आदि :- भारतीय राजनीति एवं शासन के अन्तर्गत देश के संविधान, पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास सहित राजनीतिक प्रणाली के ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न होंगे।
 - (4) भारतीय अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक विकास :- अभ्यर्थियों से जनसंख्या, पर्यावरण तथा नगरीकरण से सम्बन्धित समस्याओं एवं पारस्परिक सम्बन्ध, भारतीय आर्थिक नीति एवं भारतीय संस्कृति के व्यापक स्वरूप के ज्ञान का परीक्षण किया जायेगा।
 - (5) राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनायें :- इसमें खेलकूद के प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।
 - (6) भारतीय कृषि :- भारत में कृषि, कृषि उत्पाद एवं उसके विपणन के सम्बन्ध में सामान्य जानकारी की अपेक्षा अभ्यर्थियों से होगी।
 - (7) सामान्य विज्ञान :- सामान्य विज्ञान के प्रश्न दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से सम्बन्धित विषयों सहित विज्ञान के सामान्य परिबोध एवं जानकारी पर आधारित होंगे, जिसकी ऐसे किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है। इसमें भारत के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका से सम्बन्धित प्रश्न भी होंगे।
 - (8) प्रारम्भिक गणित हाईस्कूल स्तर तक :- अंकगणित, बीजगणित व रेखागणित।
- अभ्युक्ति :- अभ्यर्थियों से यह अपेक्षित होगा कि उत्तर प्रदेश के विशेष परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त विषयों का उन्हें सामान्य परिचय हो।

Syllabus for General Studies

- (1) History of India and Indian National movement :- In History of India, emphasis should be on broad understanding of social, economic and political aspects of Indian history. In the Indian National movement, the candidates are expected to have synoptic view of the freedom movement, growth of nationalism and attainment of Independence.
- (2) Indian and World Geography- Physical, Social, Economic Geography of India and the World :- Questions on the Geography of India will relate to Physical , Social & Economic Geography of India . In World Geography only general understanding of the subject will be expected.
- (3) Indian Polity and Governance, Constitution , Political system, Panchayati Raj & Public Policy, Rights - issues etc :- In Indian polity and Governance questions will test knowledge of country's constitution, political-system including Panchayati Raj and Community Development.
- (4) Indian Economy and Social Development :- The candidates will be tested with respect to problems and relationship between population, Environment, Urbanisation , broad features of economic policy in India and Indian Culture .
- (5) Current Events of National and International Importance :- This will also include questions on Games & Sports.
- (6) Indian Agriculture - The candidates will be expected to have general understanding of agriculture in India , agricultural produce and its marketing .
- (7) General Science :- Questions on General Science will cover general appreciation and understanding of science including matters of everyday observation and experience , as may be expected of a well educated person , who has not made a special study of any scientific discipline .This will also include questions on role of science and technology in the development of India .
- (8) Elementary Mathematics up to class 10th level :- Arithmetic , Algebra and Geometry .

Note- The candidates are expected to have general awareness about the above topics with special reference to U.P.